

एक भारत श्रेष्ठ भारत

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रहने वाले विविध संस्कृतियों के लोगों के बीच सक्रिय रूप से बातचीत को बढ़ावा देना है, जिसका उद्देश्य उनके बीच अधिक आपसी समझ को बढ़ावा देना है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत, जिसका अनुवाद "एक भारत, सर्वश्रेष्ठ भारत" है, भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता के प्रमाण के रूप में खड़ा है। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण में निहित, इस पहल को 31 अक्टूबर, 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 140 वीं जयंती मनाने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के दौरान पेश किया गया था। सरदार पटेल के विचारों से प्रेरित, जिन्होंने आजादी के बाद देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) भारत के विभिन्न क्षेत्रों, भाषाओं और परंपराओं के बीच अंतर को पाटने का प्रयास करता है, जिससे एक सामंजस्यपूर्ण राष्ट्रीय पहचान बनती है।

निरंतर और संरचित सांस्कृतिक आदान-प्रदान, भाषा सीखने और त्योहारों और विरासत के पारस्परिक उत्सव को बढ़ावा देकर, यह पहल "विविधता में एकता" के सार का प्रतीक है। यह भारत की संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं की समृद्ध टेपेस्ट्री को दर्शाता है, जो एक जीवंत और समावेशी राष्ट्र के रूप में देश की ताकत और लचीलेपन को प्रदर्शित करता है।

भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच अधिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान और समझ को बढ़ावा देने के लिए, ईबीएसबी एक अद्वितीय जुड़ाव मैट्रिक्स तैनात करता है जिसमें देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को एक-दूसरे के साथ जोड़ा जाता है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उजागर की गई 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की

भावना को बढ़ावा देने के लिए मेल खाने वाली जोड़ियों ने आपसी जुड़ाव की एक विस्तृत श्रृंखला में गहराई से गोता लगाया।

ईबीएसबी कार्यक्रम के उद्देश्य

हमारे राष्ट्र के भीतर विविध एकता को संजोएं, हमारे लोगों के बीच भावनात्मक संबंधों को बढ़ावा दें।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच संरचित संबंधों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना।

भारत की विविधता की समझ और सराहना को बढ़ावा देने के लिए युग्मित राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक टेपेस्ट्री का प्रदर्शन करें।

स्थायी साझेदारियाँ स्थापित करें।

राज्यों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करके पारस्परिक सीखने के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना।



